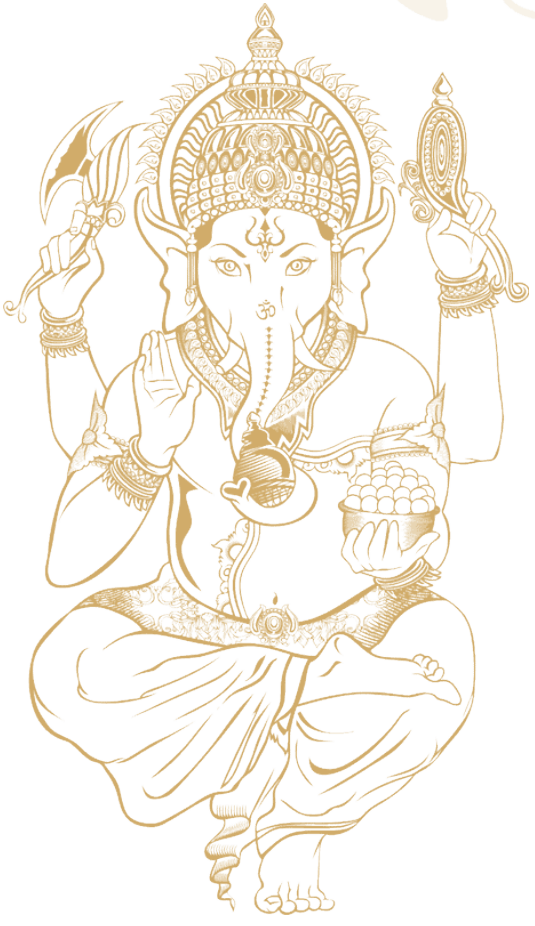

jamesha thakur

19 May 2025

12:32 PM

Una

Model: web-freekundliweb

Order No: 121729702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/05/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:32:00 घंटे**
इष्ट	17:44:18 घटी
स्थान	**Una**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:28:00 उत्तर
रेखांश	76:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:07:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:30 घंटे
साम्पातिक काल	03:56:06 घंटे
सूर्योदय	05:26:16 घंटे
सूर्यास्त	19:16:33 घंटे
दिनमान	13:50:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:20:58 वृष
लग्न के अंश	09:14:22 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:14:22	306:38:57	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			वृष	04:20:58	00:57:46	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:31:59	13:03:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	20:14:11	00:30:24	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध		अ	मेष	21:49:52	01:58:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	00:59:05	00:13:00	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	19:09:27	00:51:02	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि			मीन	05:19:33	00:04:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		मीन	00:51:03	00:01:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	00:51:03	00:01:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:09:42	00:03:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:23:14	00:01:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:33:27	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	06:56:41	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:43

लग्न-चलित

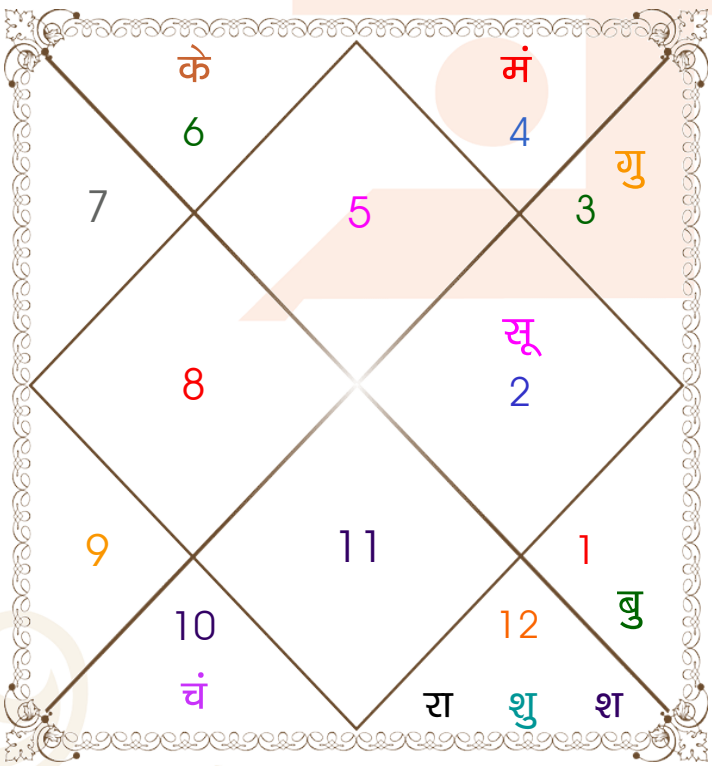

चन्द्र कुंडली

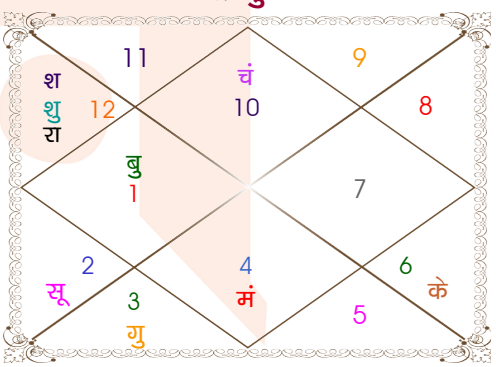

नवमांश कुंडली

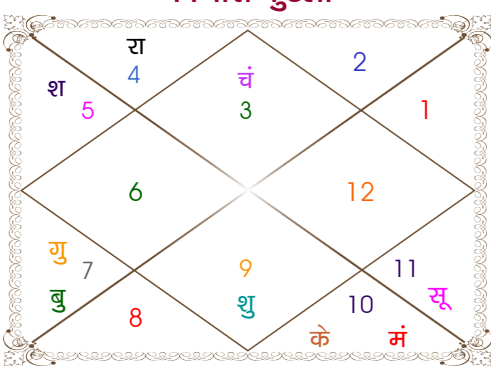

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 10 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/05/2025		25/03/2028		26/03/2035		25/03/2053		25/03/2069	
25/03/2028		26/03/2035		25/03/2053		25/03/2069		25/03/2088	
	00/00/0000	मंगल	21/08/2028	राहु	06/12/2037	गुरु	14/05/2055	शनि	28/03/2072
	00/00/0000	राहु	09/09/2029	गुरु	01/05/2040	शनि	24/11/2057	बुध	06/12/2074
	00/00/0000	गुरु	16/08/2030	शनि	08/03/2043	बुध	01/03/2060	केतु	15/01/2076
	00/00/0000	शनि	24/09/2031	बुध	24/09/2045	केतु	05/02/2061	शुक्र	17/03/2079
	19/05/2025	बुध	21/09/2032	केतु	12/10/2046	शुक्र	07/10/2063	सूर्य	27/02/2080
बुध	25/06/2025	केतु	17/02/2033	शुक्र	12/10/2049	सूर्य	25/07/2064	चंद्र	27/09/2081
केतु	24/01/2026	शुक्र	19/04/2034	सूर्य	06/09/2050	चंद्र	24/11/2065	मंगल	06/11/2082
शुक्र	24/09/2027	सूर्य	25/08/2034	चंद्र	07/03/2052	मंगल	31/10/2066	राहु	12/09/2085
सूर्य	25/03/2028	चंद्र	26/03/2035	मंगल	25/03/2053	राहु	25/03/2069	गुरु	25/03/2088

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/03/2088		26/03/2105		26/03/2112		26/03/2132		27/03/2138	
26/03/2105		26/03/2112		26/03/2132		27/03/2138		00/00/0000	
बुध	22/08/2090	केतु	22/08/2105	शुक्र	27/07/2115	सूर्य	14/07/2132	चंद्र	25/01/2139
केतु	19/08/2091	शुक्र	23/10/2106	सूर्य	26/07/2116	चंद्र	12/01/2133	मंगल	26/08/2139
शुक्र	19/06/2094	सूर्य	27/02/2107	चंद्र	27/03/2118	मंगल	20/05/2133	राहु	24/02/2141
सूर्य	25/04/2095	चंद्र	29/09/2107	मंगल	27/05/2119	राहु	14/04/2134	गुरु	26/06/2142
चंद्र	24/09/2096	मंगल	25/02/2108	राहु	26/05/2122	गुरु	31/01/2135	शनि	25/01/2144
मंगल	21/09/2097	राहु	14/03/2109	गुरु	24/01/2125	शनि	13/01/2136	बुध	20/05/2145
राहु	10/04/2100	गुरु	18/02/2110	शनि	26/03/2128	बुध	19/11/2136		00/00/0000
गुरु	17/07/2102	शनि	30/03/2111	बुध	25/01/2131	केतु	26/03/2137		00/00/0000
शनि	26/03/2105	बुध	26/03/2112	केतु	26/03/2132	शुक्र	27/03/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 9 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।